TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

23 मई

T h u r s d a y

1. **विश्व कछुआ दिवस–** यह प्रत्येक वर्ष 23 मई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य उल्लेखनीय सरीसृपों के बचाव के बारे में जागरूकता प्रदान करना है। इस दिवस को मनाने की शुरूआत 1990 में एक अमेरिकी गैर–लाभकारी संस्था द्वारा की गयी थी। कछुआ एक सरीसृप वर्ग का प्राणी है। दुनिया भर में 300 से भी अधिक किस्म के कछुए की प्रजातियां हैं, जिनमें कई लुप्तप्राय हैं।
   - **संदर्भः वर्ग 8, विज्ञान भाग 3, पाठ 12** से जोड़कर चर्चा करें।

2. **बछेन्द्री पाल का एवरेस्ट फतेह–** दुनिया की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट (29028 फुट यानी 8,848 मीटर) पर फतेह करने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेन्द्री पाल ने 23 मई, 1984 ई. को ही अपराह्न 1 बजकर सात मिनट पर एवरेस्ट पर भारत का झंडा लहराया था। इस कदम के साथ वे दुनिया की 5वीं एवरेस्ट विजेता महिला बन गयीं। भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन से पर्वतारोहण में उत्कृष्टता के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1984 में 'पद्म श्री' तथा 2019 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया है।
   - **संदर्भः 'पर्यावरण और हम भाग 3' के अध्याय 1** से जोड़कर बच्चों से चर्चा करें।

3. **कारोलस लिनियस का जन्म–** 23 मई, 1907 ई. को राशुल्ट, स्वीडेन में जन्में कारोलस लिनियस को 'आधुनिक वर्गिकी के पिता' के रूप में जाना जाता है। वे एक स्वीडिस वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और जीव विज्ञानी थे। इन्होंने पौधों के वर्गीकरण की विधि तथा द्विनाम पद्धति का प्रतिपादन किया। इन्होंने सम्पूर्ण जीवधारियों को दो जगतों– पादप जगत और जंतु जगत में विभाजित किया।
   - **संदर्भः वर्ग 8, विज्ञान भाग 3, पाठ 14** से जोड़कर चर्चा करें।

आँधी–तूफान से बचने के उपाय

1. जब तक आँधी–तूफान शांत ना हो जाए, तब तक घर से बाहर ना निकलें।
2. मकानों में ऊपरी तलों की अपेक्षा भूतल पर रहने का प्रयास करें।
3. रेडियो और टी.वी. पर मौसम के साफ होने के संदेश प्रसारित होने का इंतजार करें।
4. पुराने और क्षतिग्रस्त भवनों और पेड़ों के नीचे आश्रय लेने से बचें।
5. बिजली और टेलीफोन के खंभों के नीचे खड़े न हो। खंभे के गिरने से शारीरिक क्षति हो सकती है।
6. घर के बाहर होने पर किसी छतदार मकान में आश्रय लें।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

23 मई

मधु प्रिया

विश्व कछुआ दिवस 23 मई

विश्व कछुआ दिवस हर वर्ष 23 मई को अमेरिकी टोर्टोइस रेस्क्यू, एक गैर-लाभकारी संगठन द्वारा मनाया जाता है। दुनिया भर में कछुओं और उनके लुप्त हो रहे आवासों की रक्षा के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह दिन मनाया जाता है। यह दिन 2000 से अमेरिकी टोर्टोइस रेस्क्यू द्वारा मनाया जा रहा है, जो 1990 में कछुए की सभी प्रजातियों की सुरक्षा के लिए स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन है।विश्वभर में कछुओं की घटती संख्या को देखते हुए लोगों में इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष विश्व कछुआ दिवस मनाया जाने लगा। 23 मई को पूरा विश्व मिलकर इस दिन को मनाता है। कछुआ एक ऐसा जानवर है, जिसे कई सारे लोग शुभ मानते हैं और उनकी कई प्रजातियों को घर पर भी रखा जा सकता है। बाजारों में महंगे- महंगे भावों में भी कछुओं की बिक्री होती है।कछुआ पृथ्वी पर सबसे अधिक दिनों तक जीवित रहने वाला जीव माना जाता है। रेंगनेवाले यानी सरीसृप जीवों की श्रेणी में आने वाले इस जीव की उम्र 150 वर्ष से भी अधिक मानी जाती है। सबसे अधिक वर्षो तक जीवित रहने वाला कछुआ हनाको कछुआ था, जो लगभग 226 वर्षो तक जीवित रहा। इसकी मृत्यु 17 जुलाई 1977 को हुई थी।कहा जाता है कि कछुओं की प्रजाति विश्व की सबसे पुरानी जीवित प्रजातियों में से है, ये लगभग 200 मिलियन पुरानी है और ये प्राचीन प्रजातियां चिड़ियों ,सांपों और छिपकलियों से भी पहले धरती पर अस्तित्व में आ चुकी थी। जीववैज्ञानिकों के मुताबिक, कछुए इतने लंबे समय तक सिर्फ इसलिए खुद को बचा सके क्योंकि उन्हें एक ऐसा कवच दिया गया है जो कि उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है।

बुद्ध पूर्णिमा विशेष 23 मई

राकेश कुमार

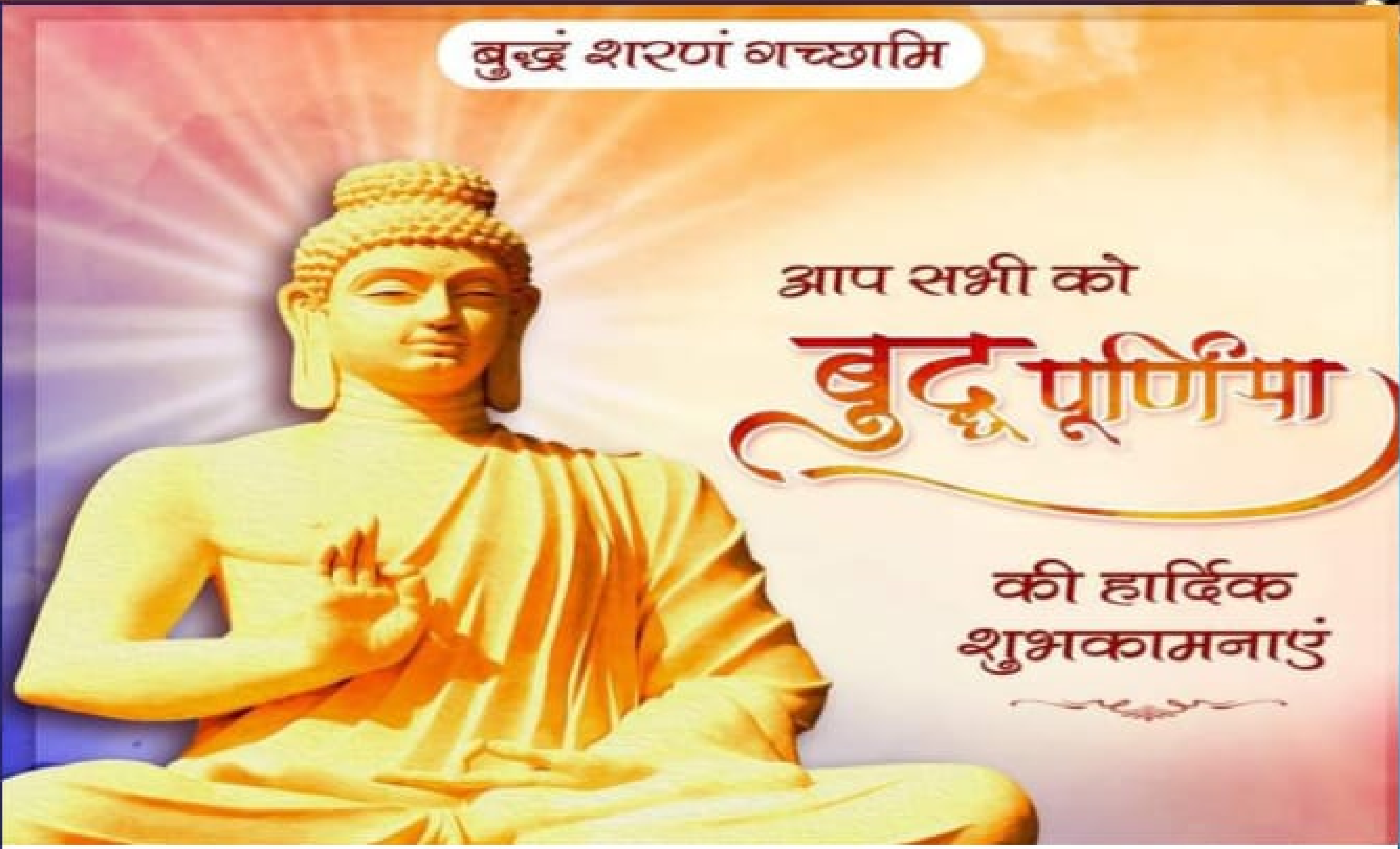

बुद्ध पूर्णिमा वैशाख मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। इसे 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। यह बौद्ध धर्म में आस्था रखने वालों का एक प्रमुख त्यौहार है। पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का स्वर्गारोहण समारोह भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान बुद्ध को 'बुद्धत्व' की प्राप्ति हुई थी। आज बौद्ध धर्म को मानने वाले विश्व में 50 करोड़ से अधिक लोग इस दिन को बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन दान-पुण्य और धर्म-कर्म के अनेक कार्य किए जाते हैं। यह स्नान लाभ की दृष्टि से अंतिम पर्व है। इस दिन मिष्ठान, सत्तू, जलपात्र, वस्त्र दान करने तथा पितरों का तर्पण करने से बहुत पुण्य की प्राप्ति होती है।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 23.05.2024

वैदिक गणित

वैदिक गणित गणना की ऐसी पद्धति है, जिससे जटिल अंकगणितीय गणनाएं अत्यंत ही सरल, सहज व त्वरित संभव हैं। स्वामीजी ने इसका प्रणयन बीसवीं सदी के आरम्भिक दिनों में किया। स्वामीजी के कथन के अनुसार वे सूत्र, जिन पर 'वैदिक गणित' नामक उनकी कृति आधारित है, अथर्ववेद के परिशिष्ट में आते हैं।

कोलकाता से लंदन बस रूट दुनिया का सबसे लम्बा बस रूट था। यह मार्ग 1957 से 1976 तक शुरू हुआ था।

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 396

वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव कितने चरणों मे संपन्न हो रहा है ?

A. 7

B. 5

C. 8

D. 10

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: A

ओलम्पिक से जुड़े प्रश्न भाग-2

08. ओलम्पिक मशाल जलाने की प्रथा की शुरुआत कब की गई? -- 1928 ई. में एम्सटर्डम ओलम्पिक में पहली बार मशाल जलाया गया।

09. ओलम्पिक शब्द का क्या अर्थ है? -- ओलम्पिक यूनान के एक पर्वत का नाम है

10. किस खेल मे, भारत ने सबसे ज़्यादा मेडल ओलिंपिक मे जीते है? -- हॉकी में

11. किस देश ने सबसे अधिक ओलम्पिक पदक जीते हैं? -- संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा

12. किस देश में वर्ष 2012 का ओलिंपिक आयोजित किया गया था? -- लन्दन

13. किस महाद्वीप में कभी ओलपिक खेलों का आयोजन नहीं हुआ है? -- अफ्रीका महाद्वीप में, (कारण- द्वितीय विश्व युद्ध)

14. कौन से ओलम्पिक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पूरी तरह से सोने से बना हुआ था? -- वर्ष 1912 का

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

मलयालम के लेखक, पटकथा लेखक एवं फिल्म निर्माता

पी. पद्मराजन

के जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 23 मई 1945

मृत्यु- 24 जनवरी 1991

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

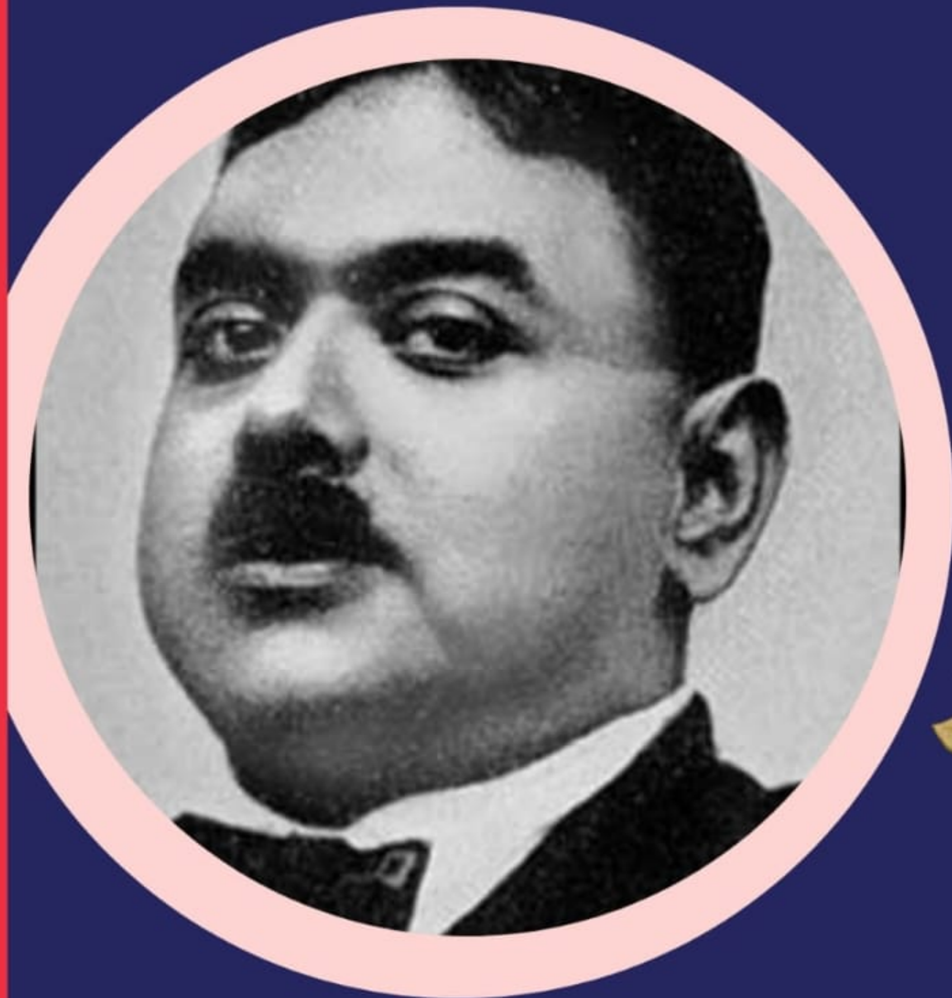

सिन्धु घाटी सभ्यता के सबसे उन्नत शहर
मोहनजोदड़ो की खोज करने वाले इतिहासकार

राखालदास बनर्जी

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म-12 अप्रैल 1885 - मृत्यु-23 मई 1930

Madhu priya

/teachersofbihar

बुद्ध पूर्णिमा विशेष

23 मई 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से अच्छा है कि तुम स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता।

भगवान बुद्ध

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org